

लखन मोसे बोले ना आंसुओ की लग रही धार भजन लिरिक्स



आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोले ना,
बोले ना रे भैया बोले ना,
आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोले ना।bd।

उठा के लखन को गोदी में रखलए,
गोदी में रखलए हौं,
गोदी में रखलए,
तेरे कहां पे लगो हूँ बाण,
लखन मोसे बोले ना,
आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोले ना।bd।

हनुमंत जी लंका को जइयो,
वहां से वैध सुषेण को लईयो,
मेरे भैया की नवज बतइओ,
की लाल मेरो बोले ना,
आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोले ना।bd।

हनुमंत जी द्रोणागिरी जईओ,
वहां से संजीवनी बूटी लईओ,
मेरे भैया को घोट के पिलईओ,
की लाल मेरो बोले ना,
आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोले ना।bd।

आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोले ना,
बोले ना रे भैया बोले ना,
आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोले ना।bd।

